

आरत का चार्टरपत्र The Gazette of India

शासितरण
EXTRACHORDARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

५०६] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, सितम्बर 21, 1989/भाद्र 30, 1911
५०६) NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 21, 1989/BHADRA 30, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Pangling is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त भंगालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली 21 सितम्बर 1989

सं. 44/89 के अन्तर्याम उत्ताद-युक्त (एन. डी.)

सा. नि. 850 (अ) :- केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार,
केन्द्रीय उत्ताद-युक्त और नमक प्रधिमियम, 1944 (1944 का 13) की विधा 4 के अधीन केन्द्रीय उत्ताद-
युक्त के उद्घाटन की वादत (जिसके अंतर्गत उत्ताद उद्घाटन किया जाना है) साथ उपर्या प्रचलित थी,

अनुप्रस्थ काट अंतरी जीडीई X-शुल्क रिम व्हेन के अनुसार मापे जाने शामि और कैन्डेल उत्पाद-शुल्क दोनों प्रधि नियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपर्योग से, 4011.10 के बोर्ड आने वाले 4" x 8" और 3.5" x 8" आकार के एडीवी टायरों पर उत्पाद-शुल्क 1 मार्च, 1988 को प्राप्ति होने वाली और उत्पाद-शुल्क की समाप्त होने की अवधि के दौरान उक्त धरा 3 के अन्तर्गत उद्योगी नहीं किया गया था :

और ऐसे एडीवी टायरों पर विशेष उत्पाद-शुल्क की विस्तीर्णियम, 1988 (1988 का 26) के धरा 82 के उपराना (1) के अवधि पूर्वीकार्यव के दौरान उद्योगी नहीं किया गया था ;

अतः अब कैन्डेल नहीं, नवप वेल अवधितारम की धरा 119 वाला प्रकल्प शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देंगे हैं कि ऐसे एडीवी टायरों पर धरा उक्त प्रथा न होंगी ताकि द्रष्टव्यक्ति, प्रथम विणिम प्रधि नियम के अन्तर्गत वाले उक्त वित्त अवधितार के अन्तर्गत अद्येतह वस्तु उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क ऐसे एडीवी टायरों के उक्त गंदरा दिए जाने शुरू की जाएं ताकि वाला उत्पाद-शुल्क और कियोगे उत्पादन शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्णत वरप्रथ के दौरान उद्योगी नहीं किया गया था ।

[पा. सं. 99/22/88—के.उ.शु. 3]
प्रम. वी. वी. शश. परम. दर्ज

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1989

No. 44/89—CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 850 (E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (Including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on A.D.V. tyres of sizes 4" x 8" and 3.5" x 8", measured in terms of cross-sectional width x rim diameter and falling under sub-heading No. 4011.10 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3, during the period commencing on the 1st day of March, 1988 and ending with the 28th day of February, 1989;

And whereas the special duty of excise on such A.D.V. tyres was also not being levied under sub-section (1) of section 82 of the Finance Act, 1988 (26 of 1988), during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act, or as the case may be, under the said Finance Act on such A.D.V. tyres, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such A.D.V. tyres, on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 99/22/88-CX, 3]

M. V. B. RAO, Under Secy.

